# HOLY MISSION HIGH SCHOOL

[Affiliated to C.B.S.E, Delhi] upto +2 Level

SAMASTIPUR - 848101

Code:- JOY0WO

संकलित परीक्षा - II (2013-2014)

हिन्दी 'अ'

कक्षा - IX

JSUNIL TUTORIAL

निर्धारित समय : 3-3 ½ घण्टे

अधिकतम अंक :100

निर्देश :

(1) इस प्रश्न-पत्र के **पांच खंड** हैं - **क, ख, ग, घ** और ङ ।

(2) **खंड -ङ** मुक्त पाठ पर आधारित है।

(3) पांचों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(4) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

## खण्ड-क

**( अपठित बोध )**

1 **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गये प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए -** 5

भगवान रामचन्द्र की सफलता के लिए हमें गौरव की अनुभूति होती है। यदि रामचंद्र जी से पूछें - आप कैसे सफल हुए तो वे कहेंगे, ''मैं वानरों के कारण सफल हुआ। वानर नहीं होते तो सीताजी को लाने में कितना कष्ट उठाना पड़ा होता। सेतुबंध बाँधना था, वानर नहीं होते तो क्या होता।'' रामचंद्र जी स्वयं प्रभु होने के उपरांत समाज के छोटे व्यक्तियों के बिना इस ध्येय को प्राप्त नहीं कर सके होते। माता कौशल्या से भी अधिक आदर भाव से शबरी को देखा। माता कौशल्या ने जब भोजन खिलाया और उसमें जो आनंद आया होगा, उससे भी ज्यादा आनंद राम को शबरी ने जब झूठे और मीठे बेर खिलाए, तब आया। शायद प्रभु राम ने यह सब भी न किया होता तो चल जाता, क्योंकि वे तो ईश्वर स्वरूप थे। उन्होंने यह सब इसलिए किया कि यदि तुम्हारे पूज्य आराध्य राम जी ऐसा करते हों तो तुम्हें क्या आपत्ति हो सकती है।

I. वानरों के किस प्रयास से श्रीराम को सहायता नहीं मिली -

(क) सेतुबंध बनाकर

(ख) सीता का पता लगाकर

(ग) रामचन्द्र जी की पूजा करके

Generated by CamScanner from intsig.com

(घ) राक्षसों के साथ लड़कर

2. 'शबरी' और राम का संबंध था ?

(क) माता - पुत्र
(ख) पत्नी - पति
(ग) भक्त - भगवान
(घ) पुत्री - पिता

3. इस प्रसंग का उद्देश्य है -

(क) सभी का महत्व
(ख) कठिन परिश्रम
(ग) स्वामि भक्ति
(घ) दृढ़ - निश्चय

4. 'गौरव' शब्द में उपयुक्त प्रत्यय जुड़ सकता है-

(क) शाली
(ख) ई
(ग) आ
(घ) ता

5. 'आदरभाव' में विग्रह और समास भेद होगा -

(क) आदर के लिए भाव (सम्प्रदान तत्पुरुष)
(ख) आदर का भाव (संबंध तत्पुरुष)
(ग) आदर और भाव (द्वन्द्व)
(घ) आदर में भाव (अधिकरण तत्पुरुष)

JSUNIL TUTORIAL

2 **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गये प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए -** 5

विद्यार्थी काल की तुलना कच्ची मिट्टी के लौंदे से की जा सकती है। कच्ची मिट्टी को तोड़-मरोड़ कर उससे कुछ भी बनाया जा सकता है। यह बनाने वाले पर निर्भर करता है कि वह कुछ कुरूप बनाता है या रूपवान। ठीक उसी प्रकार अपने मन मस्तिष्क को मोड़कर विद्यार्थी भी अपने आपको चाहे जैसा बना ले। मूलत: विद्यार्थी जीवन में जोश तो बहुत रहा करता है पर होश कम ही रहता है। जोशवश वह कई बार अपने घर परिवार, समाज और देश के लिए मुसीबतें खड़ी कर देता है। अत: विद्यार्थी का यह परम कर्तव्य हो जाता है कि वह व्यर्थ के विषयों, फालतू बातों की तरफ ध्यान न देकर अपने परम लक्ष्य अध्ययन और शिक्षा पर ही सारा ध्यान केन्द्रित रखे। विद्या अध्ययन के बल पर स्वयं को अच्छा व सुयोग्य बनाने का प्रयत्न करे।

1. विद्यार्थी की तुलना कच्ची मिट्टी के लौंदे से क्यों की जाती है ?

(क) निर्माण की संभावना होने के कारण
(ख) अल्प वयस्क होने के कारण
(ग) सीखने की उम्र के कारण
(घ) समझदार होने के कारण

2. विद्यार्थी का कर्तव्य है -

(क) निर्धारित लक्ष्य पर ध्यान रखे
(ख) सैनिक बनने का प्रयत्न करे



Generated by CamScanner from intsig.com

(ग) खेलकूद पर ध्यान रखे

(घ) एक अच्छी नौकरी का ध्यान रखे

3. गद्यांश का उद्देश्य है -

(क) विद्यार्थी की महत्ता बताना

(ख) विद्यार्थीकाल की महत्ता बताना

(ग) लक्ष्य का महत्व बताना

(घ) समय का महत्व बताना

4. 'जीवन' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय होगा -

(क) काल (ख) ईय

(ग) वान (घ) ता

5. 'घर परिवार' में विग्रह व समास भेद है -

(क) घर में परिवार (अधिकरण तत्पुरुष)

(ख) घर और परिवार (द्वन्द्व)

(ग) घर के लिए परिवार (सम्प्रदान तत्पुरुष)

(घ) घर से बना परिवार (करण तत्पुरुष)

3 **निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर दीजिए।** 5

नमन उन्हें मेरा शत बार!

सूख रही है बोटी-बोटी,

मिलती नहीं घास की रोटी,

गढ़ते हैं इतिहास देश का, सहकर कठिन क्षुधा की मार।

नमन उन्हें मेरा शत बार!

अर्द्ध नग्न जिनकी प्रिय माया,

शिशु विषण्ण-मुख, जर्जर-काया;

रण की ओर चरण दृढ़ जिनके, मन के पीछे करुण पुकार।

नमन उन्हें मेरा शत बार!

JSUNIL TUTORIAL



Generated by CamScanner from intsig.com

जिनकी चढ़ती हुई जवानी
खोज रही अपनी कुरबानी,
जलन एक जिनकी अभिलाषा, मरण एक जिनका त्यौहार।
नमन उन्हें मेरा शत बार!
दुखी स्वयं जग का सुख लेकर,
स्वयं रिक्त सबको सुख देकर,
जिनका दिया अमृत जग पीता, कालकूट उनका आहार।
नमन उन्हें मेरा शत बार!
वीर, तुम्हारा लिये सहारा,
टिका हुआ है भूतल सारा,
होते तुम न कहीं, तो कब का उलट गया होता संसार।
नमन उन्हें मेरा शत बार!
चरण-धूलि दो, शीश लगा लूँ,
जीवन का बल-तेज जगा लूँ,
मैं निवास जिस मूक स्वप्न का, तुम उसके सक्रिय अवतार।
नमन उन्हें मेरा शत बार!

1. घास की रोटी खाकर भूखे रह कर इतिहास गढ़ने वाले देशभक्त का नाम है, -

(क) भगतसिंह (ख) राणा प्रताप

(ग) गाँधी जी (घ) शिवाजी

2. 'जलन एक जिनकी अभिलाषा, मरण एक जिनका त्यौहार' पंक्ति का आशय है -



JSUNIL TUTORIAL

Generated by CamScanner from intsig.com

(क) एक दूसरे से ईर्ष्या-द्वेष करने की इच्छा करते हैं।

(ख) देश के लिए बलिदान ही उनका त्यौहार होता है।

(ग) आग जलाकर त्यौहार मनाना।

(घ) जिनकी अभिलाषा है, कि खुशी से त्यौहार मनाएँ।

3. देशभक्तों का समाज के प्रति व्यवहार कैसा होता है?

(क) समाज को धन देते हैं।

(ख) समाज को सुख देते हैं।

(ग) समाज का दुख लेकर उसे सुख देते हैं।

(घ) समाज से बलिदान माँगते हैं।

4. देशवासियों को उनके प्रति कैसा व्यवहार करना चाहिए?

(क) उनकी पूजा करनी चाहिए।

(ख) उन्हें मान-सम्मान देना चाहिए।

(ग) उन्हें इनाम देना चाहिए।

(घ) उन्हें अमृत पिलाना चाहिए।

5. काव्यांश में 'अमृत' का विलोम शब्द है-

(क) काल (ख) कालकूट

(ग) मरण (घ) जर्जर

4 **निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर दीजिए।**

दया का दान देने को जिन्होंने जन्म धारे हैं।

वही विद्वान बड़भागी प्रजा के प्राण प्यारे हैं।।

JSUNIL TUTORIAL



Generated by CamScanner from intsig.com

धड़ाधड़ मार खाते हैं हितू तो भी हमारे हैं।
पड़े बन्दीगृहों में भी प्रतापी यों पुकारे हैं।।
न हम ध्रुव धर्म छोड़ेंगे न शंकर को बिसारेंगे।
भलाई को न भूलेंगे तुझे भारत सुधारेंगे।।

JSUNIL TUTORIAL

विवेकी वीर व्यवसायी सच्चाई को न छोड़ेंगे।
हठीले प्राण खो देंगे, प्रतिज्ञा को न तोड़ेंगे।।
प्रजा प्रिय देश-सेवा से कभी मुखड़ा न मोड़ेंगे।
दबा दुर्नीति नागिन के हलाहल को निचोड़ेंगे।।
लड़ेंगे लोभ लीला के लुटेरों से न हारेंगे।
भलाई को न भूलेंगे तुझे भारत सुधारेंगे।।

1. 'दयालु' व्यक्तियों की तुलना किससे नहीं की गई है?

(क) प्रेमी (ख) विद्वान

(ग) भाग्यशाली (घ) अत्यंत प्रिय

2. किसका प्रण लिया गया है?

(क) ध्रुव के धर्म को अपनाने का

(ख) महादेव को भुलाने का

(ग) भलाई को भूल जाने का

(घ) भारत की स्थिति सुधारने का

3. 'लड़ेंगे लोभ लीला के लुटेरों से न हारेंगे' पंक्ति में अलंकार है -

(क) उपमा (ख) रूपक

(ग) उत्प्रेक्षा (घ) अनुप्रास



Generated by CamScanner from intsig.com

(क) प्रजा में प्रिय - तत्पुरुष

(ख) प्रजा के लिए प्रिय - तत्पुरुष

(ग) प्रजा और प्रिय - द्वन्द्व समास

(घ) प्रजा के समान प्रिय है जो - कर्मधारय

5. इस काव्यांश का शीर्षक हो सकता है -

(क) देश भक्तों की प्रतिज्ञा

(ख) भलाई को न भूलना कभी

(ग) अच्छाई को अपनाओ

(घ) बुराई को भगाओ

JSUNIL TUTORIAL

## खण्ड-ख

### ( व्यावहारिक व्याकरण )

5 निर्देशानुसार उत्तर दीजिए

(क) 'स्वराज्य' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग एवं मूल शब्द लिखिए।

(ख) 'कु' उपसर्ग लगाकर एक शब्द बनाइए।

(ग) 'लेखक' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय एवं मूल शब्द लिखिए।

(घ) 'अक्कड़' प्रत्यय लगाकर एक शब्द बनाइए।

निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह करके समास का नाम लिखिए -

(i) हंसवाहिनी (ii) प्रतिपल (iii) पंचवटी

6 1. अर्थ के आधार पर निम्नलिखित वाक्यों की पहचान करके उनके भेद लिखिए।

(क) यहाँ मत थूकिए ।

(ख) शाबाश! तुमने तो कमाल कर दिया।

2. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए।

(क) अमन खेलता है। (निषेधवाचक)

(ख) आकाश जाता है। (प्रश्नवाचक)



Generated by CamScanner from intsig.com

7 निम्नलिखित पद्यांशों में प्रयुक्त अलंकारों की पहचान कर उनके नाम लिखिए। 4

(क) तारावलि - सी मृदु दीप्तिमान

(ख) नारी, नारी, नारी
इसकी छवि है सबसे न्यारी

(ग) हाँ मैं हूँ वृक्ष → अति उक्ति।
ओ मेरे प्यारे बच्चो

(घ) एक राम घनश्याम हित चातक तुलसीदास → अतिशयोक्ति

JSUNIL TUTOTIAL

**खण्ड-ग**

**( पाठ्य-पुस्तक )**

8 **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए** - 5

प्रतिदिन प्रात: काल यह भक्त कुत्ता स्तब्ध होकर आसन के पास तब तक बैठा रहता है, जब तक अपने हाथों के स्पर्श से मैं इसका संग नहीं स्वीकार करता। इतनी सी स्वीकृति पाकर ही उसके अंग-अंग में आनंद का प्रवाह बह उठता है। इस वाक्यहीन प्राणिलोक में सिर्फ यही एक जीव अच्छा-बुरा सबको भेदकर संपूर्ण मनुष्य को देख सका है, उस आनंद को देख सका है, जिसे प्राण दिया जा सकता है, जिसमें अहैतुक प्रेम ढाल दिया जा सकता है, जिसकी चेतना असीम चैतन्य लोक में राह दिखा सकती है।

(1) कुत्ते की दिनचर्या के प्रमुख क्रियाकलाप का उल्लेख कीजिए।

(2) 'वाक्यहीन प्राणिलोक' में किस जीव को गुरुदेव ने सर्वोच्च बताया है एवं क्यों ?

(3) किस भाव से किसके अंग अंग में आनंद का प्रवाह बह उठा करता था ?

**निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए-**

9 (i) परमधाम भेजने का अर्थ स्पष्ट करते हुए बताइये कि उस समय कन्याओं के साथ ऐसा क्यों होता होगा? 2

9 (ii) देवी मैना कौन थी? नाना साहब उसे कहाँ एवं क्यों छोड़ गये थे? 2

9 (iii) कौन-सी घटना आज विश्व की महिमाशाली घटनाओं की श्रेणी में गिनी जा सकती है? "एक कुत्ता और एक मैना" पाठ के आधार पर बताइए। 2



Generated by CamScanner from intsig.com

9 (iv) लेखक ने प्रेमचंद की फोटो को देखकर उसे ट्रेजडी क्यों कहा है? पठित पाठ के आधार पर लिखिए। 2

9 (v) "एक कुत्ता और एक मैना" पाठ में निहित भावनाओं का विवेचन करते हुए बताइये कि इस पाठ में एक वाणीविहीन प्राणी की भी कौन-सी विशेषता का उल्लेख हुआ है? 2

JSUNIL TUTOTIAL

10 निम्न पद्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए - 5

माँ की समझाइश के बाद
दक्षिण दिशा में पैर करके मैं कभी नहीं सोया
और इससे इतना फायदा जरूर हुआ
दक्षिण दिशा पहचानने में
मुझे कभी मुश्किल का सामना नहीं करना पड़ा
मैं दक्षिण में दूर-दूर तक गया
और मुझे हमेशा माँ याद आई
दक्षिाण को लाँघ लेना सम्भव नहीं था
होता छोर तक पहुँच पाना
तो यमराज का घर देख लेता।

1. कवि ने माँ की बात को किस प्रकार माना ?
2. दक्षिण को लांघना कठिन क्यों है ?
3. कवि ने दक्षिण की कौन सी विशेषता बताई ?

**निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए-**

11 (i) कवि ने किस भूमि को बाँझ बताया है तथा वे कहाँ खड़े हैं ? 'चंद्र गहना से लौटती बेर' कविता के आधार पर लिखिए। 2

(ii) आज बच्चों का बचपन किन कारणों से छिन रहा है ? पठित कविता के आलोक में लिखिए। 2



Generated by CamScanner from intsig.com

(iii) परिवार के लड़के मेहमान के स्वागत में अपना कर्तव्य किस प्रकार निभाते हैं ? मेघ आए कविता में आलोक में लिखिए। 2

(iv) कवि देवताले को माता के किस निर्देश से क्या लाभ हुआ था ? 2

(v) अलसी के पौधे का वर्णन 'चंद्र गहना से लौटती बेर' कविता के आधार पर अपने शब्दों में कीजिए। 2

12 ''चाय तो बहुत अच्छा साग हो जाती है'' माटी वाली के माध्यम से लेखक मानव के किस पक्ष तथा भाव को उजागर करना चाहते हैं ? तथा आपको इससे क्या प्रेरणा मिलती है ? बताइये। 5

JSUNIL TUTOTIAL

## खण्ड-घ

## ( लेखन )

**दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर किसी एक विषय पर लगभग 200 से 250 शब्दों में निबन्ध लिखिए-**

13 (i) **यदि मैं 'कौन बनेगा करोड़पति' जीत जाऊँ :** 10

- भूमिका
- दोस्तों-मित्रों के साथ मस्ती
- मेरी योजनाएं
- सामाजिक दायित्व
- उपसंहार

(ii) **अंतरिक्ष में नारी :** 10

- नारी का नया रूप
- शिक्षा
- नया करने की चाहत
- अंतरिक्ष में उड़ान
- देश की उन्नति में सहायक
- उदाहरण



Generated by CamScanner from intsig.com

- प्रेरणादायक
- उपसंहार

(iii) **आकाश की ऊँचाइयों को छूता मानव :** 10

(1) भूमिका

(2) मानव का अदम्य साहस

(3) विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धियाँ

(4) निरंतर प्रयासरत

(5) उपसंहार

14 आपके पड़ोसी श्रीकांत सड़क पर स्कूटर से जाते हुए गाय से टकराए और घायल हो गए। आप इस समस्या पर लोगों का ध्यान आकृष्ठ करना चाहते हैं। पशुओं से होने वाली दुर्घटनाओं का जिक्र करते हुए किसी हिंदी के दैनिक समाचार पत्र के संपादक को एक पत्र लिखिए और व्यावहारिक समाधान भी सुझाइए। 5

15 आप अपने विद्यालय के कुछ छात्रों के साथ एक दिन वृद्धाश्रम गए। वहाँ पर बिताए गए क्षणों पर प्रतिवेदन लिखिए। 5

JSUNIL TUTOTIAL

**खंड - ङ**

**( मुक्त पाठ)**

**(*कृपया सुनिश्चित करें कि इस विषय का मुक्त पाठ इस प्रश्न पत्र के साथ उपलब्ध है)**

16 ***विषय : बाल-बालिकाओं का असमान लिंग अनुपात (5+5 )** 10

(a) लिंगानुपात तालिका 1.3 के आधार पर 0 - 6 वर्ष की उम्र के बच्चों की समान संख्या वाले दो ऐसे राज्यों को चिह्नित कीजिए जहाँ साक्षरता दर में उतनी समानता नहीं है। इन राज्यों की सामाजिक-आर्थिक स्थितियों का आकलन करते हुए समता-विषमता के कारणों का विवेचन कीजिए।

(b) मुक्त पाठ की लिंगानुपात असमानता से संबधित पुस्तिका के अध्ययन के आधार पर केरल में प्रति एक हजार लड़कों पर लड़कियों की संख्या तथा साक्षरता तालिका क्र. 1.7 के आधार पर कन्याओं की साक्षरता-दर के आंकड़ों का अवलोकन-विश्लेषण कीजिए तथा बताइए कि इस राज्य की कौन सी ऐसी आर्थिक, सामाजिक स्थितियाँ हैं जो इसे इन क्षेत्रों में सारे देश में अग्रणी बनाए हुए हैं?



— * —

Generated by CamScanner from intsig.com